जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर
Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 | वर्षः 31 | संख्याः 269 | प्रभात | उदयपुर, गुरुवार 1 अगस्त, 2024 | आर.जे. 7202 | पृष्ठ 12 | मूल्य 2.50 रु.

क्या लोकसभा स्पीकर, प्र.मंत्री मोदी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव स्वीकार करने की हिम्मत दिखाएंगे?

जैसा कि विदित ही है, सदन की प्रोसीडिंग्स के अंश, जो लोकसभा की कार्यवाही से निकाल दिए जाते हैं, उनको सोशल, प्रिंट या इलैक्टॉनिक, किसी भी मीडिया पर उपयोग में लाना वर्जित है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जुलाई। कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ एक विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश किया है क्योंकि मोदी ने अनुराग ठाकुर द्वारा लोकसभा में दिये गये भाषण का वह हिस्सा भी ट्वीट कर दिया है, जिसे आसन ने असंसदीय होने के कारण हटा दिया था।

नियमानुसार, जिस भाषण या उसके जिस हिस्से को सदन की कार्यवाही से हटा दिया जाता है, उसे किसी मीडिया पर, चाहे वह प्रिंट मीडिया हो, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हो या सोशल मीडिया हो, पुनः प्रस्तुत नहीं किया जा सकता। इस प्रकरण में, यह ट्वीट 'एक्स' पर प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था।

- पर, प्र.मंत्री मोदी ने एक्स (ट्विटर) पर अनुराग ठाकुर के भाषण को उद्धृत किया, क्या यह विशेषाधिकार हनन का मामला बनता है, इसका निर्णय अब लोकसभा स्पीकर को लेना होगा, क्योंकि प्र.मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव अब स्पीकर के समक्ष प्रस्तुत है।
- इण्डिया गठबंधन का मानना है कि प्रस्ताव स्वीकार नहीं होगा, क्योंकि अनुराग ठाकुर का भाषण, जो कि सदन की कार्यवाही से निकाला गया था वह जानबूझकर राहुल गांधी को हतोत्साहित करने के लिये सुनियोजित नीति के तहत दिलवाया गया था।
- हालांकि, ठाकुर के भाषण को प्र.मंत्री ने अपने ट्विटर हैण्डल पर उद्धृत करके एक टैक्निकल गलती तो की है, पर, इस गलती पर बहस करने के लिये विशेषाधिकार हनन का मामला बनना मुश्किल है।

अनुराग ठाकुर को एक विशिष्ट काम या दायित्व सौंपा गया था- आक्रामक होने का, अभद्र भाषा का प्रयोग करने का तथा जातिगत जनगणना, आरक्षण तथा ओ.बी.सी., दलितों, आदिवासियों तथा अन्य के प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर गांधी परिवार तथा खास तौर से राहुल गांधी का मुकाबला करने का।

राहुल गांधी के भाषण से बुरी तरह बिफरी हुई भाजपा राहुल गांधी की आलोचना करने के मामले में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है तथा पार्टी ने सारे नेताओं को इस काम में लगा दिया है।

ठाकुर तो राहुल पर निशाना साधते हुए यहाँ तक कह गए "जिसको अपनी कास्ट (जाति) का पता नहीं ...."

जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी ने अनुराग ठाकुर के भाषण को लेकर 'एक्स' पर उनकी प्रशंसा में कसीदे पढ़े, वह विस्मित ही नहीं, बल्कि स्तब्ध कर देने वाला था। मोदी ने यह भी कहा कि उनके (अनुराग ठाकुर) भाषण को सभी लोग सुनें।

प्रधानमंत्री जोश-जोश में यह भी भूल गए कि उस भाषण का कुछ अंश सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया है। विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव का नोटिस लोकसभा अध्यक्ष को दे दिया गया है। यह लोकसभा अध्यक्ष के लिए परीक्षा की घड़ी है। देखना यह है कि उनकी प्रतिक्रिया क्या रहती है तथा वे नरेन्द्र मोदी के खिलाफ इस विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव को स्वीकार करते हैं अथवा नहीं।

राहुल गांधी का मुकाबला करने तथा उनकी आलोचना करने के लिए, भाजपा ने एक और युवा भाजपा नेता, तेजस्वी सूर्या, को भी मैदान में उतारा था।

(शेष पृष्ठ 11 पर)

भारत में गरजेंगे 30 देशों के लड़ाकू विमान

नई दिल्ली, 31 जुलाई। अगस्त और सितंबर महीने में भारत तरंग शक्ति -2024 का आयोजन करने जा रहा है। इस आयोजन में दुनियाभर के 30 देश अपने सबसे शक्तिशाली फाइटर जेट्स की कलाबाजी दिखाएंगे। दुनिया के इस सबसे भव्य आयोजन में भारत भी अपनी सैन्य दमखम का प्रदर्शन करने वाला है। वायुसेना के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि 51 देशों को आमंत्रण भेजा गया, जिसमें से 30 हिस्सा ले रहे हैं। इस महा हवाई अभ्यास में वायुसेना के एलसीए तेजस, मिराज 2000 से लेकर राफेल लड़ाकू विमान हिस्सा ले रहे हैं।

- अगस्त और सितंबर महीने में "भारत तरंग शक्ति-2024" का आयोजन होने जा रहा है। इस आयोजन में दुनियाभर के 30 देश अपने सबसे शक्तिशाली फाइटर जैट अभ्यास करते हुये कलाबाजी दिखाएंगे।

आईएएफ अधिकारियों के मुताबिक, हिस्सा लेने वाले देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, ग्रीस, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर और बांग्लादेश शामिल हैं। इसमें 10 देशों की वायु सेना और 20 देश पर्यवेक्षक के रूप में हिस्सा

(शेष पृष्ठ 11 पर)

क्या गूगल अमेरिका के राष्ट्रपति के चुनाव में राजनीतिक दृष्टि से छेड़-छाड़ कर रहा है?

प्रमुख सीनेटर, टैक्सस के टैड क्रूज़ व लिब्स ऑफ टिकटॉक ने गूगल के स्क्रीन शॉट्स सार्वजनिक करके, गूगल पर आरोप लगाया है कि गूगल चुनाव में हस्तक्षेप कर रहा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जुलाई। अमेरिका की कंज़रवेटिव पार्टी से जुड़े लोग "गूगल" पर आरोप लगा रहे हैं कि वह राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने के लिए डॉनल्ड ट्रम्प की हत्या के प्रयास से संबंधित जानकारी छिपा रहा है। ट्रम्प, दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के लिए चुनाव मैदान में हैं। गत 13 जुलाई को पैन्सिल्वेनिया में आयोजित एक चुनावी रैली में एक बंदूकधारी की गोली से वह बाल-बाल बचे थे। उस हमले में एक जने की मौत हो गई थी, दो घायल हुए थे और ट्रम्प को हल्की सी चोट लगी थी। इस हमले ने षड़यन्त्र की विभिन्न परिकल्पनाओं को जन्म दिया है।

- कंज़रवेटिव (परम्परावादी) नेता का आरोप है कि ट्रम्प पर हुए हमले की खबर की जानकारी को गूगल का "ऑटो कम्पलीट सिस्टम" दबा रहा है।
- जैसा कि विदित ही है, ट्रम्प पर गोली चलाई गई थी तथा इस हमले में एक व्यक्ति मारा गया था व दो गंभीर रूप से घायल हुए थे तथा ट्रम्प बाल-बाल बचे थे।
- गूगल पर आरोप है कि वह हमले की पूरी खबरें नहीं दे रहा है, क्योंकि इससे चुनाव का रूझान प्रभावित हो सकता है, ट्रम्प के लिये सहानुभूति पनप सकती है।

इसमें नवीनतम विवाद गूगल के ऑटोकम्प्लीट फीचर से जुड़ा है क्योंकि कुछ यूज़र्स ने नोटिस किया कि जब ट्रम्प की हत्या के प्रयास की जानकारी प्राप्त करने के लिए जरूरी की वर्ड्स टाइप किए जाते हैं तब रोनाल्ड रीगन और हैरी ट्रूमैन जैसे अन्य बड़े नामों की हत्या के प्रयासों की जानकारियां सामने आ जाती है।

इन ऑटोकम्प्लीट विसंगतियों के बावजूद ट्रम्प के अटैक पर जानकारी की तलाश में कुछ संबंधित खबरें, वीडिया और एक विकीपीडिया पेज हैं हालांकि कंज़र्वेटिव कहते हैं कि ऑटोकम्प्लीट मुद्दा संकेत देता है कि गूगल का इरादा उन सूचनाओं को दबाने का है जो आगामी चुनावों को प्रभावित कर सकती हैं जैसे टैक्सस के सीनेटर टैड क्रूज और लिब्स ऑफ टिकटॉक ने ऑटोकम्प्लीट रिजल्ट्स के स्क्रीनशॉट्स और वीडियो शेयर किए तथा गूगल पर चुनावों में हस्तक्षेप का आरोप लगाया। गूगल ने जवाब दिया कि भविष्यवाणियों में फेरबदल का कोई मानवीय एक्शन नहीं लिया गया और उनके ऑटोकम्प्लीट फंक्शन में राजनैतिक हिंसा से संबंधित भविष्यवाणियों के प्रति सुरक्षा भी शामिल है। उन्होंने कहा कि यूज़र्स जो भी चाहे सूचना तलाश कर सकते हैं और कम्पनी का काम है उच्च गुणवत्ता की जानकारी उपलब्ध कराना। गूगल ने माना कि उनका ऑटोकम्प्लीट सिस्टम डायनैमिक है और प्रचलित सवालों के आधार पर इसमें बदलाव हो जाता है और वे विसंगतियों की जांच कर रहे हैं। यह मुद्दा ट्रम्प से सम्बधिंत विषय वस्तु तक सीमित नहीं है जैसा कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के ऐसे ही ऑटोकम्पलीट मुद्दों ने दिखाया है।

आर.एस.एस. की आलोचना पर सदन में नाराज़ हुये उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 31 जुलाई। राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को आर.एस.एस. पर टिप्पणी करने पर कड़ी आपत्ति जताई। राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान उन्होंने कहा कि यह राष्ट्र की सेवा में लगा संगठन है और संगठन से जुड़े लोग निस्वार्थ भाव से काम करते हैं। उन्होंने कहा कि देश के काम में लगे संगठन की आलोचना करना संविधान के खिलाफ है और उसे देश की विकास यात्रा का हिस्सा बनने का अधिकार है। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष

- राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को आर.एस.एस. पर टिप्पणी करने पर कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि यह संगठन हमेशा निस्वार्थ भाव से देशसेवा में लगा रहा है।

(शेष पृष्ठ 11 पर)

राष्ट्रदूत

चौहत्तरवां स्थापना दिवस

राजनीति के संक्रमण काल में निष्पक्ष, जुझारू, संघर्षशील व जन समर्पित पत्रकारिता की चौहत्तरवीं वर्षगांठ पर राष्ट्रदूत अपने पाठकों, लेखकों, संवाददाताओं, पत्रकारों, विज्ञापन-दाताओं और प्रशंसकों को हार्दिक बधाई देता है। साथ ही सरलता, सादगी व उच्च मूल्यों व आदर्शों के रास्ते पर चलते रहने के लिए पुनः संकल्प लेता है।

- प्रधान सम्पादक

'सरकारी बैंक निर्धन व "मीडिल क्लास" से निर्दयता से साढ़े आठ हजार करोड़ वसूल कर चुके हैं'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जुलाई। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज केन्द्र सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक खातों में औसत मासिक बैलेंस न रखने पर ग्राहकों से अर्थ-दंड के रूप में करोड़ों रुपये इकट्ठा कर रहे हैं। उन्होंने मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार ने गरीब और मध्यम वर्ग की जेब खाली करने के लिये कमर कस ली है। सरकार पर किये गये उनके हमले से पहले, लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में यह लिखित उत्तर सामने आया था कि सार्वजनिक बैंकों ने वित्त वर्ष 2019-20 से लेकर 2024-25 तक वे पाँच वर्षों में इस मद के अन्तर्गत करीब 8,500 करोड़ रुपये वसूल किये हैं।

- प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि ये बैंक इन लोगों से पैनल्टी के रूप में यह राशि इसलिए वसूल करते हैं, क्योंकि ये लोग अपने बैंक अकाउन्ट में हर महीने मिनिमम बैलैन्स नहीं रख पाये हैं।
- प्रियंका गांधी का कहना था कि इंदिरा गांधी ने बैंकों को "नैशनलाइज़" इसलिए किया था कि गरीबों को मदद मिल सकेगी। "राष्ट्रीयकरण" 'नैशनलाइज़ेशन) इसलिए नहीं किया था कि गरीबों से पैनल्टियां वसूल करके उन पर डबल मार मारी जाए।

केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा में यह जानकारी भी दी कि सरकार द्वारा संचालित बैंकों ने औसत मासिक न्यूनतम बैंलेस न रखने पर, वित्त वर्ष 2024 में खाताधारकों से 2,331 करोड़ रुपये वसूल किये हैं।

हिन्दी में की गई एक पोस्ट में, प्रियंका गांधी ने कहा, "(औसत मासिक न्यूतम बैलेंस) राशि खाते में न रखने पर गरीब आम लोगों पर जुर्माना लगाया जाना संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। (अपने खाते में) न्यूनतम बैलेंस न रखने पर, 5 वर्ष में सरकारी बैंकों ने आम आदमी से 8,500 करोड़ रुपये वसूल किए हैं।" कांग्रेस महासचिव ने कहा कि बैंकों में न्यूनतम बैलेंस रख पाने की असमर्थता का सामना समाज के उन वर्गों के लोग कर रहे हैं, जिनके पास पैसा नहीं है तथा जिनकी आमदनी सीमित है तथा जैसे-जैसे अपने परिवार चला रहे हैं।

प्रियंका गांधी ने कहा कि इन्दिरा गांधी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण इसलिये किया था ताकि गरीबों को मदद मिल सके तथा उनसे इस प्रकार की वसूली (रिकवरी) न हो। उन्होंने कहा, "भाजपा सरकार, जिसने अपने उद्योगपति मित्रों के 16 लाख करोड़ रुपये माफ कर दिये हैं, गरीबों और मध्यम वर्ग की जेबें खाली करने पर तुली हुई हैं।"